प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट 2021–22

वैश्विक व्यापार व विकास का सिंहावलोकन

वैश्विक अर्थव्यवस्था कोविड–19 और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण अभूतपूर्व अस्थिरता और व्यवधान का सामना कर रही है। 2021 में एक अस्थायी सुधार के बाद 2022 में तेजी से निराशाजनक विकास हुआ, क्योंकि जोखिम शुरू हो गए थे। महामारी के कारण पहले से ही कमजोर हुई विश्व अर्थव्यवस्था को उम्मीद से कहीं अधिक झटके लगे हैं और साथ ही यूक्रेन में युद्ध से और भी नकारात्मक प्रभाव पड़े हैं।

बढ़ती कीमतों के साथ दुनिया भर में जीवन स्तर लगातार कम हो रहा है, नीति निर्माताओं के लिए मुद्रास्फीति को कम करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सख्त मौद्रिक नीति की अनिवार्य रूप से वास्तविक आर्थिक लागत होगी, लेकिन देरी केवल उन्हें बढ़ा देगी। लक्षित राजकोषीय समर्थन सबसे कमजोर लोगों पर प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन महामारी द्वारा फैलाए गए सरकारी बजट और अवस्फीतिकारी समग्र व्यापक आर्थिक नीति स्टैंड की आवश्यकता के साथ ऐसी नीतियों को बढ़े हुए करों या कम सरकारी खर्च से ऑफसेट करने की आवश्यकता होगी। कठोर मौद्रिक स्थितियां वित्तीय स्थिरता को भी प्रभावित करेंगी, मैक्रो विवेकपूर्ण साधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता होगी और ऋण समाधान ढांचे में सुधार करना और भी आवश्यक होगा। ऊर्जा और खाद्य कीमतों पर विशिष्ट प्रभावों को दूर करने के लिए नीतियों को कीमतों को विकृत किए बिना सबसे अधिक प्रभावित होने वाले लोगों पर ध्यान देना चाहिए। अंत में, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए उत्सर्जन को सीमित करने और हरित संक्रमण को तेज करने के लिए निवेश बढ़ाने के लिए तत्काल बहुपक्षीय कार्रवाई की आवश्यकता है।

2021–22 के दौरान भारत में आर्थिक विकास का अवलोकन

आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, मुद्रास्फीति आदि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत हो रही है और उभर रही है। 2021–22 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.7 प्रतिशत बढ़ी, जबकि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक साल पहले मार्च तिमाही में 4.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा। 2021–22 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि अर्थव्यवस्था को उसके पूर्व–महामारी स्तर से ऊपर ले जाती है और 2020–21 में 6.6 प्रतिशत के अनुबंध के बाद एक सुधार है।

2022–23 के लिए आउटलुक

2023 में, दुनिया भर में भू–राजनीतिक वास्तविकताओं को स्थानांतरित करने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7.1–7.6 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। बाजार की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का आर्थिक दृष्टिकोण कहता है कि 2021 करीब आ रहा था, हवा में एक आशावाद था लेकिन इस साल की शुरुआत में आशावाद को एक झटका मिला क्योंकि देश और रूस के आक्रमण के माध्यम से ओमिक्रॉन संक्रमण की लहर बह गई। यूक्रेन का फरवरी 2022 में हुआ था। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मार्च 2023 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है।

आईएमएफ ने 22 अप्रैल को अपनी विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट में 2022 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विकास अनुमान को 9 प्रतिशत से घटाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया था। 2023 के लिए विकास अनुमान 6.9 प्रतिशत है।

पूर्वव्यापी एमएमटीसी– 2021–22 में

वित्तीय समीक्षा

गैर–रणनीतिक क्षेत्र में सीपीएसई के लिए नई उद्यम नीति के बाद प्रशासनिक मंत्रालय के निर्देश पर संपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने की पृष्ठभूमि में, आपकी कंपनी ने 2021–22 के दौरान पिछले वित्त वर्ष के दौरान पंजीकृत 26,364.50 करोड रुपये के कारोबार के मुकाबले 7840.78 करोड़ रुपये का व्यापार कारोबार हासिल किया। इस टर्नओवर में 34.40 करोड़ रुपये का निर्यात, 7070.58 करोड़ रुपये का आयात और 735.80 करोड़ रुपये का घरेलू व्यापार शामिल है। आपकी कंपनी को चालू वित्त वर्ष में 241.93 करोड़ रुपए की शुद्ध हानि हुई जबकि पिछले वर्ष 769.69 करोड़ रुपए की हानि हुई थी।

निधियों का स्रोत और उपयोग

31 मार्च, 2022 तक कंपनी के धन के स्रोत में शेयरधारकों की राशि रु.193.40 करोड़ है, जिसमें रु.150 करोड़ की इक्विटी शेयर पूंजी और रु.40.86 करोड़ और रु. 4528.70 करोड़ की गैर–वर्तमान और वर्तमान देनदारियां शामिल हैं। 31 मार्च, 2022 तक 355.20 करोड़ रुपये और 4407.76 करोड़ रुपये की मौजूदा संपत्ति। इन निधियों को, अन्य बातों के साथ–साथ गैर–चालू संपत्तियों में लगाया गया है।

आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएं

एमएमटीसी के पास आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं जो इसके व्यवसाय संचालन के अनुरूप हैं। लेखापरीक्षा समिति द्वारा लेखापरीक्षा के दायरे की समीक्षा की जाती है। लेखा परीक्षा समिति के निर्देशों, यदि कोई हो, का विधिवत पालन किया जाता है। आंतरिक लेखापरीक्षा करने में बाहरी लेखापरीक्षा फर्मों के साथ समन्वय करने के लिए कंपनी का एक आंतरिक लेखापरीक्षा प्रभाग है। लेखापरीक्षा समिति में अध्यक्ष के रूप में स्वतंत्र निदेशक, डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, सरकार द्वारा नामांकित निदेशक श्री शशांक प्रिया, सदस्य के रूप तथा स्वतंत्र निदेशक डॉ. (श्रीमती) स्वाधीनता कृष्णा, सदस्य शामिल हैं।

सहायक कंपनी

एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर, आपकी कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कमोडिटी ट्रेडिंग में लगी हुई है और इसने खुद को सिंगापुर में एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित ट्रेडिंग संगठन के रूप में स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान एमटीपीएल ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान रिकॉर्ड किए गए 486.20 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 456.58 मिलियन अमेरिकी डॉलर का बिक्री कारोबार हासिल किया। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान एमटीपीएल का शुद्ध लाभ 2020–21 के दौरान अर्जित 1.12 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 0.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। 31 मार्च 2022 तक एमटीपीएल की नेटवर्थ 6.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। एमटीपीएल द्वारा घोषित कुल लाभांश 26.94 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जिसमें वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान एमटीपीएल से प्राप्त 5.00 मिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभांश शामिल है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 के प्रावधानों के अनुसार, निदेशकों की रिपोर्ट और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के साथ एमटीपीएल के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण इसके साथ संलग्न हैं।

2021–22 के लिए व्यवसाय समूहवार समीक्षा

खनिज पदार्थ

आपकी कंपनी के खनिज समूह ने पांच दशकों से अधिक की अवधि के लिए लौह अयस्क व्यापार में अग्रणी भूमिका निभाई है। पिछले दशक में, एमएमटीसी खनिज पोर्टफोलियो को मजबूत करके, बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने के लिए गतिशील और विवेकपूर्ण रणनीतियों, सेवा और उत्पादों की गुणवत्ता, अपनी बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार और अपनी व्यापार प्रतिबद्धताओं को अत्यधिक देखभाल और महत्व देते हुए वैश्विक बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकी।

2021–22 के दौरान आपकी कंपनी के खनिज समूह ने खनिजों के निर्यात से 25. 51 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस समूह के मुख्य घटक हैं:

(i) लौह अयस्क

भारत सरकार की वर्तमान निर्यात–आयात नीति के अनुसार, एमएमटीसी लिमिटेड 64% और उससे अधिक ग्रेड के लिए लौह अयस्क के निर्यात के लिए नामित राज्य व्यापार उद्यम था। भारत की एमएमटीसी ने दीर्घावधि समझौते (एलटीए) के तहत जापान और दक्षिण कोरिया को लौह अयस्क का निर्यात किया, जो सरकार द्वारा विधिवत अनुमोदित है। पिछला एलटीए 2018–21 की अवधि के लिए था। हालांकि, लौह अयस्क के निर्यात के लिए जापानी स्टील मिल्स और पॉस्को, दक्षिण कोरिया के साथ दीर्घकालिक समझौते सरकार द्वारा नवीनीकृत नहीं किए गए हैं। परिणामस्वरूप एमएमटीसी ने 31.3.2021 के बाद एलटीए के अंतर्गत लौह अयस्क का कारोबार बंद कर दिया।

(ii) मैंगनीज अयस्क

निर्यात–आयात नीति के अनुसार, मैंगनीज अयस्क का निर्यात एमएमटीसी के माध्यम से किया जाता है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने मैंगनीज अयस्क के निर्यात से 25.51 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल किया।

बहुमूल्य धातु, रत्न और आभूषण

आपकी कंपनी 1988 से सर्राफा व्यापार और कीमती धातु के आयात में स्थापित उपक्रमों में से एक रही है। यह तीन दशकों से अधिक समय से नामित एजेंसियों में से एक रही है और एसईजेड सहित अखिल भारतीय आधार पर निर्यातकों/घरेलू अंतिम उपयोगकर्ताओं को कीमती धातुओं की आपूर्ति करती रही है। एमएमटीसी ने प्रतिस्पर्धी प्रीमियम पर कीमती धातुओं की निर्धारित समय पर आपूर्ति के लिए घरेलू बाजार और निर्यातकों को पूरा करने के लिए लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (एलबीएमए) द्वारा अनुमोदित कई विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ करार किया है।

2021 के दौरान कीमती धातुओं में उपभोक्ता मांग में कमजोरी के पीछे रिकॉर्ड उच्च कीमतें प्रमुख कारक थीं, इसके बावजूद एमएमटीसी के बहुमूल्य धातु समूह ने वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 6,013.01 करोड़ रुपये का सकल कारोबार और जो कंपनी द्वारा प्राप्त कुल कारोबार का लगभग 72% है तथा 27.73 करोड़ रुपये का लाभ दिया।

अलौह धातु और औद्योगिक कच्चे माल

2021–22 के दौरान एनएफ़एम डिवीजन ने जिंक के आयात (पिछले वित्त वर्ष 2020–21 में हस्ताक्षरित अनुबंधों से स्पिलओवर शिपमेंट) और निकल के घरेलू व्यापार के माध्यम से 14.5 करोड़ रुपये का बिक्री कारोबार हासिल किया है। वित्त वर्ष 2021–22 में एनएफ़एम डिवीजन द्वारा किसी नए आयात अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। एमएमटीसी के आपूर्तिकर्ता सभी बडी और छोटी धातुओं के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता शामिल हैं और व्यापार की स्थिर धारा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख पीएसयू, रेलवे और आयुद्य कारखानों के साथ संबंध हैं।

कृषि उत्पाद

आपकी कंपनी के कृषि समूह ने 75.60 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया और दालों, खाद्य तेल के घरेलू व्यापार में वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान 2.74 करोड़ रुपये का लाभ हासिल किया। डीजीएफटी ने एमएमटीसी को कोपरा के आयात के लिए एकमात्र एसटीई और नारियल तेल के आयात के लिए एसटीई में से एक के रूप में नामित किया है, जिसमें एमएमटीसी को डीजीएफटी के लाइसेंस वाले सहयोगियों को एनओसी जारी करने की अनुमति है। एमएमटीसी वैध डीजीएफटी लाइसेंस के साथ संपर्क करने वाली विभिन्न पार्टियों को नारियल तेल और कोपरा के आयात के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर रहा है। वित्त वर्ष में 2021–22, एमएमटीसी ने विभिन्न सहयोगियों को कोपरा के आयात के लिए एनओसी जारी किया था और लगभग 1.84 करोड़ रुपये का मार्जिन 2.74 करोड़ रुपये के उपरोक्त लाभ में शामिल किया था।

उर्वरक और रसायन

एमएमटीसी उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से यूरिया का आयात करती है। भारत का एमएमटीसी और डीओएफ के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के आधार पर सेल और एमएमटीसी के बीच हस्ताक्षरित एमओयू के तहत एमएमटीसी सेल आरएसपी के लिए सल्फर का आयात भी करती है।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, उर्वरक विभाग ने डीओएफ की ओर से 5.46 लाख टन यूरिया के आयात के कारण 1457.00 करोड़ रुपये के कारोबार का योगदान दिया है। डीजीएफटी ने 3 नवंबर 2021 की अधिसूचना के तहत सरकारी खाते में यूरिया के आयात के लिए एमएमटीसी को कैनालाइजिंग एजेंसी के रूप में हटा दिया। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान डीलिस्टिंग से पहले एमएमटीसी मात्र एक टेंडर जारी कर पाई।

परियोजनाओं और सामान्य व्यापार

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के जनरल ट्रेड ग्रुप ने रु.37.39 करोड़ (रु.23.14 करोड़ के सिल्वर एलॉय के निर्यात सहित) का टर्नओवर हासिल किया। समूह ने वर्ष 2021–22 के दौरान 8.89 करोड़ रुपये मूल्य के राजस्व खुफिया निदेशालय से प्राप्त आवंटन के आधार पर रेड सैंडर्स के निर्यात का आयोजन किया। कर्नाटक के गजेंद्रगढ़ में विंड फार्म से उत्पन्न पवन ऊर्जा की बिक्री से 5.36 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इसके अलावा परियोजना से उत्पन्न बिजली हेस्कॉम को बेची जाती है। परियोजना सफलतापूर्वक चल रही है और इसने कर्नाटक राज्य की ऊर्जा जरूरतों के कुछ हिस्से को पूरा करके क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है।

कंपनी की भविष्य की संभावनाएं

ऐतिहासिक रूप से, कंपनी खनिज और धातु, उर्वरक, कीमती धातु और कृषि उत्पादों के क्षेत्रों में व्यवस्थित व्यावसायिक गतिविधियों में लगी हुई है जो टर्नओवर और व्यापारिक आय उत्पन्न करने के लिए मुख्य आधार थे। इसके अलावा, कंपनी ने संयुक्त उद्यमों में हिस्सेदारी के माध्यम से बैकवर्ड/फॉरवर्ड इंटीग्रेशन में प्रवेश किया है, जिनमें से अधिकांश गैर–निष्पादित रहे हैं। हालाँकि, सरकार की नई सार्वजनिक क्षेत्र नीति के कारण, जिसके अनुसार केवल रणनीतिक क्षेत्रों तक सीमित पीएसईएस की न्यूनतम उपस्थिति होगी। चूंकि एमएमटीसी गैर–रणनीतिक क्षेत्र में आती है, एमएमटीसी को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न सयुंक्त उपक्रमों से बाहर निकलने सहित संचालन को कम करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

व्यापार संचालन को कम करने, वीआरएस के कार्यान्वयन आदि के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि जापान और दक्षिण कोरिया को लौह अयस्क के निर्यात के लिए एलटीए को 31 मार्च 2021 के बाद नहीं बढ़ाया जाएगा और नवंबर 2021 में एमएमटीसी को उर्वरकों की विभाग के खाते में आयात की जाने वाली यूरिया के लिए एसटीई हटा दिया गया था। एमएमटीसी को बुलियन परिचालन और अन्य कैनालाइज्ड/नामित व्यवसाय से बाहर निकलने का निर्देश दिया गया था। वाणिज्य विभाग का विचार है कि एमएमटीसी की केंद्रीय कैनालाइज्ड एजेंसी के रूप में कोई आवश्यकता नहीं है और संबंधित मंत्रालय/विभाग अपने स्वयं के सार्वजनिक उपक्रमों/अन्य एजेंसियों के माध्यम से व्यापार कर सकते हैं। हालांकि, कंपनी को बंद करने के संबंध में सरकार के औपचारिक निर्णय का इंतजार है।

सावधानी बयान

प्रबंधन चर्चाओं और विश्लेषण में कंपनी के अनुमानों और अपेक्षाओं का वर्णन करने वाले बयान लागू कानूनों और विनियमों के अर्थ के भीतर "भविष्य उन्मुख बयान" हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम भौतिक रूप से अभिव्यक्त या निहित से भिन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कारक जो कंपनी के संचालन में अंतर ला सकते हैं, उनमें घरेलू और विदेशी बाजारों में मांग/आपूर्ति को प्रभावित करने वाली आर्थिक स्थितियां और कीमत की स्थिति, सरकारी नियमों/नीतियों, कर कानूनों, अन्य कानूनों और अन्य प्रासंगिक कारकों में बदलाव शामिल हैं। एमएमटीसी वर्तमान में कोई कारोबार नहीं कर रही है।

वर्ष 2021–22 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. **कंपनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा।**

आपकी कंपनी ने लगातार एक अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक की भूमिका निभाई है और नैतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से स्थायी तरीके से अपने व्यवसाय का संचालन करके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रथाओं के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। सीएसआर गतिविधियों के संबंध में एक आधिकारिक जनादेश के अभाव में भी, आपकी कंपनी ने बहुत पहले सितंबर 2006 में एक नीतिगत पहल के रूप में सीएसआर को अपनाया, जो 2007–08 से प्रभावी था, और सीएसआर गतिविधियों को करने के लिए पिछले वर्ष के प्रतिधारण लाभ का 1% आवंटित किया। प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत प्रदान करने के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने और समुदाय से संबंधित गतिविधियों पर विशेष बल दिया गया।

कंपनी की वर्तमान सीएसआर नीति कंपनी अधिनियम की धारा 135 और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित सीएसआर नियमों के अनुरूप है और कंपनी अधिनियम की धारा 135 के अनुसार सीएसआर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। कंपनी की सीएसआर नीति इसकी वेबसाइट पर होस्ट की गई है।

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2019–20 और वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान घाटा उठाया। तदनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के अनुसार गणना की गई सीएसआर बजट यानी पिछले 3 वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% नकारात्मक था। इसलिए, वर्ष 2021–22 के लिए निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कोई वार्षिक सीएसआर बजट नहीं था। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान कोई नई सीएसआर परियोजना शुरू नहीं की गई। हालाँकि, आपकी कंपनी ने केवल वित्त वर्ष 2019–20 की चल रही सीएसआर परियोजनाओं को निष्पादित किया, जिन्हें वित्त वर्ष 2021–22 तक आगे बढ़ाया गया।

कंपनी (संशोधन) अधिनियम 2019 की धारा –21 (बी) के संदर्भ में, अव्ययित सीएसआर निधियों के लिए एक विशेष सीएसआर बैंक खाता खोला गया था और 31.03.2021 को खाते में 10.01 लाख रू.ट्रांसफर किए गए। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान इस खाते से धन का उपयोग इस प्रकार है:

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान व्ययः

आरंभिक शेष (01.04.2021 का)	**10.01 लाख रू.**
(I) कौशल विकास कार्यक्रम (वित्त वर्ष 2019–20 की सीएसआर परियोजना) के लिए श्री दीप चंद एजुकेशनल सोसाइटी को अंतिम किस्त का भुगतान।	1.50 लाख रू.
(ii) स्लम बच्चों की शिक्षा के लिए सीकेएस फाउंडेशन को अंतिम किश्त का भुगतान (वित्तीय वर्ष 2019–20 की सीएसआर परियोजना)।	3.24 लाख रू.
अंतिम शेष (31.03.2022 को)	5.27 लाख रू.

2. **सीएसआर समिति की संरचनाः**

क्रम सं.	निदेशक का नाम	निदेशक /निदेशक पद की प्रकृति	साल के दौरान आयोजित सीएसआर कमेटी की बैठकों की संख्या	सीएसआर की बैठकों की संख्या के दौरान समिति ने भाग लिया वर्ष
1.	श्री शशांक प्रिय	सरकारी नामांकित समिति के अध्यक्ष	1	1
2.	प्रदीप कुमार वर्मा	गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक/समिति के सदस्य	1	1
3.	श्री राजीव रंजन सिन्हा	निदेशक (कार्मिक)/ समिति के सदस्य	1	1
4.	श्री कपिल कुमार गुप्ता	निदेशक (वित्त)/ समिति के सदस्य	1	1

3. वेब–लिंक प्रदान करें जहां सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा कंपनी की वेबसाइट पर किया जाता है।

Web-link: https://www.mmtclimited.com/pages/display/89-corporate-social-responsibility

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप–नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)।

लागू नहीं।

5. कंपनी (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप–नियम (3) के अनुसरण में समंजन के लिए उपलब्ध राशि का विवरण तथा वित्तीय वर्ष के लिए समंजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो, का विवरण।

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों से सेट–ऑफ के लिए उपलब्ध राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष के लिए सेटऑफ करने के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो (रुपये में)
1	2021–22	शून्य	शून्य

धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ। (416.32) करोड़ रु.।

7. (ए) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशतः लागू नहीं

(बी) सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न होने वाला अधिशेष

पिछले वित्तीय वर्षः शून्य

(सी) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई होः शून्य

(डी) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7ए+7बी–7सी): शून्य।

8. (ए) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या अव्ययित सीएसआर राशिः

कुल राशि के लिए खर्च किया वित्तीय वर्ष (रूपये में)	खर्च न की गई राशि रू. मे				
	धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित कुल राशि।		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची टप्प के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में स्थानांतरित राशि।		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	निधि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
शून्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

(बी) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के खिलाफ खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरणः

लागू नहीं

(सी) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य मद में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरणः

लागू नहीं

(डी) प्रशासनिक ओवरहेड्स में खर्च की गई राशिः शून्य

(ई) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू होः लागू नहीं

(एफ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (8बी+8सी+8डी+8ई): शून्य

(जी) सेट ऑफ करने के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्र.सं.	विवरण	राशि (रू.)
(i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	लागू नहीं
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	शून्य
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)–(i),	शून्य
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	शून्य
(v)	सफल वित्तीय वर्षों में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि [(iii)–(iv),	शून्य

9. **(ए) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरणः**

क्रम सं	पिछला वित्तीय वर्श	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित राशि(रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची टप्प के तहत निर्दिष्ट किसी फंड में स्थानांतरित राशि, यदि कोई हो			अनुगामी वित्तीय वर्षों होने में खर्च होने वाली शेष राशि (रुपये में)
				निधि का नाम	राशि (रुपये में)	ट्रांसफर की तिथि	
1.	2019–20	10,01,200	4,74,000	–	–	–	5,27,200

(बी) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरणः

क्रम सं.	प्रोजेक्ट	प्रोजेक्ट का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू हुई थी	परियोजना अवधि	कुल रकम के लिए आवंटित परियोजना (लाख रुपये	राशि में परियोजना पर खर्च किया रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष (लाख रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष के अंत में व्यय की गई संचयी राशि (लाख रुपये में)	पूरे /चल रहे परियोजना की स्थिति
1.		(I) परिधान और पोशाक निर्माण (काटना और सिलाई) और (ii) ब्यूटीशियन (सौंदर्य और कल्याण) के क्षेत्र में वंचित सामाजिक समूहों (महिलाएं, दलित और वंचित बच्चों) के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण लेना।	2019–20	**1 वर्ष 6 माह**	5.00	1.50	5.00	पूर्ण
2.		वंचित बच्चों के लिए शैक्षिक गतिविधियों के लिए	2019–20	1 वर्ष 6 माह	5.32	3.24	5.32	पूर्ण
	कुल				**10.32**	**4.74**	**10.32**	

10. पूंजीगत संपत्ति के सृजन या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार सृजित या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें (संपत्ति–वार विवरण)। शून्य

(ए) पूंजीगत संपत्ति (एस) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि । लागू नहीं

(बी) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि। लागू नहीं

(सी) संस्था या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि। लागू नहीं

(डी) सृजित या अधिग्रहीत की गई पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित)। लागू नहीं

11. कारण बताएं, यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है।

लागू नहीं।

ह0/– ह0/–

निदेशक (कार्मिक) (अध्यक्ष सीएसआर समिति)